SATISH CHANDRA MEMORIAL SCHOOL

CASE STUDY PRACTICE TEST

CLASS – VI

HINDI

Time allowed - 40 minutes **Full Marks - 14**

1. निम्नलिखित केस स्टडी को पढ़कर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (1X4=4)

राणा सांगा, जिनका पूरा नाम महाराणा संग्राम सिंह था, मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश के सबसे प्रतापी और वीर शासकों में से एक थे। उनका जन्म लगभग 1482 ईस्वी में हुआ था। राणा सांगा बचपन से ही साहसी, दृढ़ निश्चयी और युद्धकला में निपुण थे। अनेक युद्धों में भाग लेने के कारण उनके शरीर पर असंख्य घावों के निशान थे–एक आँख, एक हाथ और एक पैर उन्होंने युद्धों में खो दिया था, फिर भी उनका साहस कभी कम नहीं हुआ। वे केवल एक वीर योद्धा ही नहीं, बल्कि कुशल प्रशासक और दूरदर्शी नेता भी थे। राणा सांगा ने अपने शासनकाल में मेवाड़ को एक शक्तिशाली राज्य के रूप में स्थापित किया और राजपूतों को संगठित कर विदेशी शासकों के विरुद्ध संघर्ष किया। उन्होंने मालवा के सुल्तान महमूद खिलजी को पराजित किया और दिल्ली के सुल्तान इब्राहिम लोदी को भी युद्ध में हराया। राणा सांगा का उद्देश्य केवल विजय प्राप्त करना नहीं था, बल्कि भारत की स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा करना था। उन्होंने बाबर के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए राजपूत संघ का नेतृत्व किया। 1527 ईस्वी में बाबर के साथ खानवा का युद्ध हुआ, जो भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण युद्ध माना जाता है। यद्यपि इस युद्ध में राणा सांगा को पराजय मिली, फिर भी उनकी वीरता, नेतृत्व और आत्मबलिदान की भावना अमर हो गई। युद्धभूमि में वे अंतिम समय तक डटे रहे और सैनिकों का उत्साह बढ़ाते रहे। राणा सांगा ने जीवनभर मातृभूमि और धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उनका व्यक्तित्व त्याग, साहस, देशभक्ति और आत्मसम्मान का प्रतीक था। राणा सांगा का निधन 1528 ईस्वी में हुआ, लेकिन उनका नाम भारतीय इतिहास में एक महान योद्धा और राष्ट्रभक्त शासक के रूप में सदैव सम्मान के साथ लिया जाता है। उनका जीवन आज भी हमें अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने, साहस न छोड़ने और अपने स्वाभिमान की रक्षा करने की प्रेरणा देता है।

प्रश्न क) राणा सांगा ने बाबर के विरुद्ध कौन-सा प्रसिद्ध युद्ध लड़ा था? (1)

A. पानीपत का युद्ध B. तराइन का युद्ध

C. हल्दीघाटी का युद्ध D. खानवा का युद्ध

प्रश्न ख) राणा सांगा का मुख्य उद्देश्य क्या था? (1)

A. साम्राज्य विस्तार करना B. व्यापार बढ़ाना

C. भारत की स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा करना D. नई राजधानी बसाना

निम्नलिखित Assertion (कथन) एवं Reasoning (कारण) वाले प्रश्नों को पढ़कर उनके सही विकल्प को चुनिए।

A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है।

B) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

C) कथन और कारण दोनों सही हैं।

D) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।

प्रश्न ग) **कथन** : राणा सांगा ने राजपूतों को संगठित कर एक शक्तिशाली संघ बनाया। (1)

कारण : क्योंकि उनका उद्देश्य भारत की स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा करना था।

प्रश्न घ) **कथन** : राणा सांगा ने राजपूतों को संगठित कर एक शक्तिशाली संघ बनाया। (1)

कारण : क्योंकि उनका उद्देश्य भारत की स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा करना था।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **(2X5=10)**

प्रश्न (i) राणा सांगा ने अनेक शारीरिक क्षति सहने के बावजूद युद्ध करना जारी रखा। आप इस बात से कहां तक सहमत हैं?

प्रश्न (ii) यदि राणा सांगा केवल एक योद्धा होते और कुशल प्रशासक नहीं होते, तो मेवाड़ की स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ सकता था?

प्रश्न (iii) खानवा के युद्ध में पराजय के बावजूद राणा सांगा को महान क्यों माना जाता है?

प्रश्न (iv) राणा सांगा को एक महान योद्धा होने के साथ-साथ दूरदर्शी नेता भी क्यों माना जाता है?

प्रश्न (v) राणा सांगा कौन थे? भारतीय इतिहास में वे इतने विख्यात क्यों हैं?